हाई कोर्ट ने सड़क परिवहन मंत्रालय सचिव व अन्य से जवाब मांगा

राजमार्गों में अवैध कट-प्वाइंट्स को चुनौती

जबलपुर। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने प्रदेश से गुजरने वाले राजमार्गों में अवैध कट-प्वाइंट्स को चुनौती के मामले में जवाब-तलब कर लिया है। इस सिलसिले में सड़क परिवहन मंत्रालय के सचिव, एनएचएआई, लोक निर्माण विभाग के एसीएस सहित अन्य को नोटिस जारी किए गए हैं। मामले की अगली सुनवाई 6 जुलाई तय की गई है।

जनहित याचिकाकर्ता डिंडौरी निवासी सेवानिवृत्त अधिकारी महावीर सिंह ने अपना पक्ष स्वयं रखा। उन्होंने दलील दी कि जब ओला-उबर जैसी गाड़ियां दो मिनट के भीतर पहुंच जाती हैं, तो एंबुलेंस क्यों नहीं पहुंचती है। उन्होंने बताया कि भोपाल-जबलपुर हाईवे में डिवाइडर तोड़कर 300 कट बना लिए हैं, इससे स्पीड कम होती है और दुर्घटनाएं भी बढ़ती हैं। प्रदेश से गुजरने वाले राजमार्गों में अवैध कट-प्वाइंट्स के कारण एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंच पाती हैं, यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। लिहाजा, जनहित याचिका को बेहद गंभीरता से लिया जाए। कोर्ट ने नोटिस जारी कर जवाब-तलब कर लिया है। जवाब आने के बाद आगे दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे।

महिला कर्मी की चाइल्ड केयर लीव पर 7 दिन के अंदर निर्णय लेने हाईकोर्ट के निर्देश

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति जेके पिल्लई की एकलपीठ ने राज्य शिक्षा केंद्र के आयुक्त को जिला प्रोजेक्ट को-आर्डिनेटर की अनुशंसा के तहत याचिकाकर्ता महिला कर्मी की चाइल्ड केयर लीव पर सात दिन में निर्णय लेने के निर्देश दिए। कोर्ट ने कहा कि चूंकि याचिकाकर्ता का बेटा गंभीर बीमारी से पीड़ित है, इसलिए उसके इलाज और देखभाल के लिए अवकाश की तत्काल जरूरत है। याचिकाकर्ता खंडवा निवासी आयशा शेख की ओर से अधिवक्ता निखिल तिवारी व आदित्य अहिवासी ने दलील दी कि नियमानुसार याचिकाकर्ता अधिकतम 730 दिन के चाइल्ड केयर लीव की हकदार है। याचिकाकर्ता का बेटा ट्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्राफी (डीएमडी) से पीड़ित है, जो एक घातक आनुवंशिक विकार है। यह प्रगतिशील बीमारी होती है, जिसके लिए निरंतर मातृ देखभाल की आवश्यकता होती है। जिला प्रोजेक्ट को-आर्डिनेटर ने आयुक्त को अवकाश देने की अनुशंसा की है, इसके बावजूद निर्णय नहीं लिया जा रहा है।

बार काउंसिल चुनावः 98 पुरुष प्रत्याशी व 24 महिला प्रत्याशी चुनाव मैदान में

जबलपुर । एमपी स्टेट बार काउंसिल चुनाव-2026 के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लंबित सभी अपीलों का निराकरण कर दिया गया है। कोर्ट द्वारा उक्त सभी अपीलों को निरस्त कर दिया गया है। स्टेट बार 18 पुरूष सदस्य व पांच महिला सदस्यों को मिलाकर कुल 23 सदस्यों हेतु चुनाव प्रकिया प्रारंभ हो चुकी है। उक्त पद हेतु 98 पुरुष प्रत्याशी व 24 महिला प्रत्याशी चुनाव में भाग ले रहे हैं। मंगलवार, 12 मई को मतदान होगा। निर्वाचन अधिकारी न्यायमूर्ति एसके पालो के अनुसार सभी जिला-तहसील मुख्यालय में अधिवक्ता परिचय पत्र प्रस्तुत कर अपना मताधिकार का नियमानुसार उपयोग कर सकते हैं। चुनाव प्रक्रिया में प्रत्याशियों को आवंटित अनुक्रमांक में अब कोई परिवर्तन नहीं होगा। सभी प्रत्याशियों एवं अधिवक्ताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे चुनाव प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लें एवं शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं निष्पक्ष रूप से चुनाव संपन्न कराने में सहयोग प्रदान करें।

माइनिंग की टीम से बचने नदी में कूदने से हुई मौत पर कलेक्टर, एसपी कार्यवाही कर प्रतिवेदन दें : आयोग

जबलपुर। जिले के बरेला थाना क्षेत्र स्थित ग्राम जमतरा में विगत दिनों नर्मदा नदी से अवैध रेत खनन की सूचना पर एसडीएम अभिषेक सिंह के नेतृत्व पहुंची माइनिंग व एसडीआरएफ की टीम को देखकर अवैध रेत उत्खनन में लिप्तो के बीच भगदड़ मचने पर, पकड़े जाने के डर से बचने के लिये आकाश बर्मन उर्फ मानक वर्मा (25) की नर्मदा नदी में छलांग लगाने के कारण मृत्यु होने की घटना सामने आई है। मृतक के भाई का आरोप है कि उससे घाट किनारे मारपीट की गई थी। मप्र मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया कि समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार के आधार पर मामले को जनहित में संज्ञान में लेकर मप्र मानव अधिकार आयोग की मुख्य पीठ भोपाल में प्रकरण पर सुनवाई करते हुए, अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह की एकल पीठ ने मानव अधिकारों के उल्लंघन का मामला मानकर, जबलपुर के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में तलब किया है।

अब्दुल रज्जाक प्रकरण में हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

जबलपुर। कई आपराधिक प्रकरणों में आरोपी अब्दुल रज्जाक के प्रकरण में हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है। जस्टिस विवेक अग्रवाल एवं जस्टिस आरसीएस बिसेन की डिवीजन बेंच ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। दरअसल, वर्ष 2025 में अब्दुल रज्जाक की ओर से याचिका दायर कर कहा गया कि उसके खिलाफ दर्ज कई मामलों में अभी तक अंतिम रिपोर्ट दाखिल नहीं की गई है। जैसे ही एक मामले में जमानत मिलती है, उसी समय दूसरे प्रकरण में गिरफ्तारी दिखा दी जाती है। यह न्यायिक प्रक्रिया के साथ छलावा है। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मोहम्मद अली और शारिक अकील ने पैरवी की।

311 वाहन चालकों से 1 लाख का जुर्माना वसूला

शिकंजा : आदतन अपराधियों पर कार्रवाई

जबलपुर। जिला पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वालों एवं यातायात का उल्लघंन करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही हैं।

पिछले 24 घंटे के दौरान 311 वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई कर 1 लाख 17 हजार 800 रुपए समन शुल्क वसूला गया और ब्रीथ एनालाईजर और पीओएस मशीन से वाहन चालकों की जांच की गई। बिना हेलमेट वाहन चालने वालों पर भी कार्रवाई की गई। इसी के साथ पुलिस ने आदतन अपराधियों और जुआ, सट्टा कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस कंट्रोलरुम से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में आदतन अपराध करने वाले 27 आरोपियों के विरूद्ध धारा 129 बी.एन.एस.एस. (110 जा.फौ.) के तहत, तथा वाद विवाद करने वाले 59 व्यक्तियों के विरूद्ध 126/135 (3) बी.एन.एस.एस (107/116 जा.फौ.) के तहत, एवं 11 व्यक्तियो के विरूद्ध धारा 170 बी.एन.एस.एस (151 जा.फौ.) के तहत की गयी है, इसी प्रकार पिछले कई वर्षो से फरार 2 गैरम्यादी, 17 म्यादी वारंटी, को गिरफ्तार किया गया है एवं 46 जमानती वारंट तामील किये गये तथा अवैध शराब के कारोबार में लिप्त 23 व्यक्तियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 98 पाव देशी/अंग्रेजी एवं 37 लीटर कच्ची शराब जप्त की गयी तथा 4 व्यक्तियो के विरूद्ध 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 1 बका, 3 चाकू जप्त किये गये।

रेलवे स्टेशन मास्टर अब कहलाएंगे स्टेशन प्रबंधक

जबलपुर। स्टेशन मास्टर अब आज से स्टेशन प्रबंधक कहलाएंगे। रेलवे बोर्ड ने स्टेशन मास्टर पद नाम बदलकर आज से स्टेशन प्रबंधक कर दिया है। इस निर्णय के बाद से देशभर के रेलवे स्टेशनों पर तैनात स्टेशन मास्टरों को अब नए पदनाम से जाना जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार जारी आदेश के बाद इस नए नियम को लागू कर दिया गया है। इस आदेश के तहत स्टेशन मास्टर की पहचान अब स्टेशन प्रबंधक के रूप में होगी। यह बदलाव रेलवे की कार्यप्रणाली को और अधिक आधुनिक और जिम्मेदारी आधारित बनाने के उद्देश्य से किया गया है। बोर्ड का मानना है कि प्रबंधक शब्द न केवल स्टेशन मास्टर की कार्यप्रणाली की अधिक व्यापक भूमिका को दर्शाता है, बल्कि इससे स्टेशन संचालन में उनकी प्रशासनिक जिम्मेदारियों को भी बेहतर तरीके से परिभाषित करेगा।

निजी स्कूलों में हो रहा बच्चों का शोषण

गर्मी की मार के बीच शिक्षकों पर डबल दबाव

जबलपुर। शहर में इन दिनों भीषण गर्मी ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। अप्रैल महीने में ही तापमान लगातार ऊंचाई पर बना हुआ है और लू के थपेड़ों ने हालात और कठिन कर दिए हैं। ऐसे में प्रशासन ने बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए पहली से पांचवीं तक के स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित कर राहत दी है, लेकिन इसी फैसले के बीच अब शिक्षकों की परेशानियां सामने आ रही हैं। जानकारी के अनुसार, छोटे बच्चों के लिए स्कूलों में छुट्टी होने के बावजूद शिक्षकों को रोजाना स्कूल बुलाया जा रहा है। कई स्कूलों में तो निर्धारित समय के बाद भी शिक्षकों से अतिरिक्त कार्य लिया जा रहा है, जिससे उनमें असंतोष बढ़ता जा रहा है। शिक्षकों का कहना है कि जब कक्षाएं संचालित ही नहीं हो रहीं, तो इस भीषण गर्मी में स्कूल बुलाने का औचित्य समझ से परे है।

शिक्षकों के अनुसार, उन्हें स्कूल में उपस्थिति दर्ज कराने के अलावा रिकॉर्ड अपडेट करने, फाइल कार्य,

प्रवेश प्रक्रिया और अन्य प्रशासनिक कार्यों में लगाया जा रहा है। लगातार बढ़ती गर्मी और लू के बीच लंबे समय तक स्कूल में रुकना उनके स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा बनता जा रहा है। कई शिक्षकों ने बताया कि दोपहर के समय स्कूलों में पर्याप्त कूलिंग व्यवस्था भी नहीं है, जिससे परेशानी और बढ़ जाती है।

यह स्थिति सिर्फ किसी एक संस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर के शासकीय और निजी दोनों प्रकार के स्कूलों में देखी जा रही है। नाम न छापने की शर्त पर कई शिक्षकों ने बताया कि उन्हें बिना स्पष्ट दिशा-निर्देश के ओवरटाइम तक काम करने के लिए कहा जा रहा है। इससे उनके व्यक्तिगत जीवन पर भी असर पड़ रहा है।

शिक्षकों ने प्रशासन और शिक्षा विभाग से मांग की है कि जब बच्चों के लिए अवकाश घोषित किया गया है, तो शिक्षकों को भी आंशिक राहत दी जाए या उनके लिए कार्य का समय और स्वरूप स्पष्ट किया जाए। साथ ही, भीषण गर्मी को देखते हुए अतिरिक्त समय तक कार्य लेने पर रोक लगाने की भी अपील की गई है। फिलहाल इस पूरे मामले में शिक्षा विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। वहीं, बढ़ती गर्मी और शिक्षकों की बढ़ती नाराजगी के बीच यह मुद्दा अब तूल पकड़ता जा रहा है और आने वाले दिनों में इस पर प्रशासन को स्पष्ट रुख अपनाना पड़ सकता है।

हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी

सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार 2026

प्रथम उपहार 1 कार

द्वितीय उपहार
3 नग बाईक

तृतीय उपहार
10 नग LED TV

चतुर्थ उपहार
5 नग फ्रीज

पांचवा उपहार
8 नग वासिंग मशीन

छठवां उपहार
15 नग गैस चूल्हा

सातवां उपहार
25 नग सिलिंग फैन

आठवां उपहार
40 नग ट्राली बैग

नवां उपहार
500 नग हॉट पॉट

दसवां उपहार
600 नग लंच बाक्स

ग्यारहवां उपहार
प्रत्येक प्रतिभागी को सांत्वना उपहार

नियम एवं शर्तें :- ❖ यह सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार योजना 1 मई 2026 से 31 दिसम्बर 2026 की अवधि के लिए है। ❖ हरिभूमि के नये एवं पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं। ❖ महालक्की ड्रा. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा। ❖ इस योजना अवधि में हरिभूमि समाचार पत्र में कुल 50 कूपन (35 सामान्य कूपन एवं 15 मास्टर कूपन) प्रकाशित किये जाएंगे। ❖ योजना में भाग लेने के लिये पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्मेट पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 50 कूपनों में से कुल 30 कूपन (20 सामान्य एवं 10 मास्टर कूपन) चिपकाने होंगे। ❖ फोटोकॉपी या कटे-फटे कूपन व फार्मेट मान्य नहीं होगे । ❖ राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। ❖ सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार योजना के विजेता को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होगी । ❖ हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। ❖ किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर (छ.ग.) होगा। ❖ चित्र में दर्शाए गए उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं। ❖ हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते ।

आज ही हरिभूमि की प्रति बुकिंग करायें

हरिभूमि कार्यालय : 66/1, औद्योगिक क्षेत्र, रिछाई जिला जबलपुर
मो. 9479623424, 9340637789

सेटलाईट गड़बड़ी का खामियाजा भुगत रहे किसान

गेहूं बेचना किसानों के लिए युद्ध लड़ने से कम नहीं !

जबलपुर। किसान से एक एक दाना खरीदने के सरकार के वायदे के चलते इस वर्ष जबलपुर जिले के 51 हजार किसानों ने समर्थन मूल्य पर सरकार को गेहू बेचने पंजीयन कराया है। भारत कृषक समाज महाकौशल प्रांत के अध्यक्ष इंजी. के के अग्रवाल ने बताया की प्रशासन द्वारा खेत वार फसल का राजस्व अधिकारियों से भौतिक सत्यापन कराया गया फिर भी सैकड़ो किसानों के रकवे पोर्टल पर असत्यापित शो हो रहे हैं। सेटलाइट की गड़बड़ी का खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। राजस्व अधिकारियों से किसानों की विवाद की स्थिति निर्मित हो रही है कि सही कौन है राजस्व अमला या सेटलाइट ? श्री अग्रवाल ने बताया की वर्तमान में किसान स्लॉट बुकिंग के लिए पसीना बहा रहे हैं। मध्यप्रदेश के जिलों को अलग अलग समय में बाँटा गया है। किसान रात रात जागकर स्लॉट बुकिंग के लिए जद्दो जहद कर रहे है, पर सर्वर व सिस्टम की गड़बड़ी के चलते वह स्लॉट बुकिंग मे नाकाम हो रहे हैं। उन्हें चिंता है की यही स्थिति रही तो अंतिम तिथि 9 मई निकल जाएगी । पिछले वर्ष 100 से अधिक खरीद केंद्र स्थापित किये गये थे इस वर्ष केवल 60 ही है। खरीद एक सप्ताह लेट चालू हुई व आधे केंद्र अभी तक भी चालू नहीं हो सके। तोल काँटा, माल रखने की जगह व पल्लेदारो की कमी के साथ ही सर्वर बंद रहने व धीमी गति से चलने से टोकन पर्ची न कटने के चलते भरे बोरे गोदाम के अंदर नहीं हो पा रहे है, केंद्र के बाहर माल रखने की कही जगह ही नहीं है जिससे केंद्र के चारो तरफ सेकड़ो ट्रेक्टर ट्रालियो की लायन लगी है, किसान अपनी बारी के इंतजार में दिन में चिल चिलाती धूप में व मच्छरो के बीच ट्रेक्टर ट्रोलियों में रात गुजारने मजबूर है। उसे यह डर भी सता रहा है की कही उसकी स्लॉट की एक सप्ताह की समय सीमा ही इंतजार करते पार न हो जाये। केन्द्रो में भ्रष्टाचार हॉबी है प्रति कुण्टल 50 से 100 रुपये खर्च किये बिना न उनका माल पास होता और न ही पर्ची मिलती। सरकार को गेहू बेचना किसान के लिए मैदान में युद्ध लड़ने से कम नहीं है। अंततः थक हार कर किसान कम दाम में मंडियो में अपना उत्पाद बेचने मजबूर है।

किसानों की परेशानी सुनने वाला कोई नहीं है। अधिकारी फोन नहीं उठाते, वे बचते नजर आते हैं। जनप्रतिनिधि भी इस समय मौन है। कोई साथ नहीं दे रहा है। किसान बहुत त्रस्त हैं। प्रशासन किसानों को झूठी तसल्ली देने, उसे बहलाने हेतु किसान संगठनों की बैठको की औपचारिकता तथा बयान बाजी कर अपने दायित्व की इतिश्री कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की जुगत में लगा है। सिस्टम को सुधरवाने कोई गंभीर नही दिखता।

भारत कृषक समाज ने मेल से भेजे गये पत्र द्वारा किसानों की मैदानी स्थिति व उसकी पीड़ा तथा उनमे व्याप्त आक्रोश से मुख्यमंत्री, केंद्रीय कृषि मंत्री तथा भोपाल में सम्बन्धित सभी उच्चाधिकारियों को अवगत कराते हुए शीघ्र ही इस समस्या को संज्ञान में लेकर किसानों की मदद की अपील की है।

वृद्धा के गले से सोने की चेन लूटकर भागे बदमाश

जबलपुर। संजीवनीनगर थाना क्षेत्र में बाईक सवार दो अज्ञात लड़कों ने एक वृद्ध महिला के गले से सोने की चैन झपट्टा मारकर ले गए। इस दौरान वृद्ध महिला के गले में खरोंच आ गई। संजीवनीनगर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार त्रिमूर्तिनगर गोहलपुर निवासी 67 वर्षीय श्रीमति अलका चौधरी मंगलार को समधिन सुधा जैन के साथ बत्सला पैराडाईज विजय नगर से ई -रिक्शा में बैठकर अपने रिश्तेदार संजीवनीनगर निवासी डाक्टर मनोज जैन के यहां बैठने के लिए आयी थी। सुबह 9.50 बजे जैसे ही मनोज जैन के घर के सामने ई-रिक्शा से उतरी उसी समय एक मोटर साइकिल में दो अज्ञात लड़के पीछे से आये और उसके गले में पहनी सोने की चैन छीनने लगा, उसने पकड़ने का प्रयास किया तो उसके गले में पहनी 15 ग्राम वजनी सोने की चेन छीनकर उसे धक्का देकर मोटर साइकिल में बैठ कर भाग गया। चेन छीनते समय श्रीमति अलका के गले में खरौंचे आ गई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 309(4) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

चाकू बाजी में 2 घायल

जबलपुर। घमापुर थाना अतंर्गत नारायण चौक व हनुमान होटल सिद्धबाबा में शराब पीने के लिए रुपए नहीं मिलने की बात पर बदमाशों ने दो व्यक्तियों पर चाकू व लोहे की रॉड से हमला कर घायल कर दिया। घमापुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिवस नारायण चौक घमापुर निवासी 55 वर्षीय राजेश प्रजापति अपनी पान की दुकान पर था तभी रात 10.30 बजे उसकी दुकान पर रंजीत रजक, हर्ष रजक एवं निखिल रजक आए और शराब पीने के लिए 1 हजार रूपये की मांग करने लगा, मना करने पर मारपीट कर उस पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। रिपोर्ट पर धारा 296, 115(1), 118(1), 119(1), 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

रहवासी क्षेत्रों में गोदामों की जांच होगी

उपभोक्ता मंच को महापौर का आश्वासन

जबलपुर। जबलपुर शहर के 67 प्रतिशत रहवासी क्षेत्रों में ज्वलनशील सामग्री के गोदाम तथा कारखानों की स्थापना होने के बावजूद भी उनका फायर ऑडिट नहीं हो रहा है, इस वस्तुस्थिति को गंभीरता से लेते हुये महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' ने विशेष जांच दल गठित करने के निर्देश जारी किये। उन्होंने इस जांच दल को 7 दिनों के भीतर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश जारी किये। इसके पूर्व में नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच तथा भारतीय वरिष्ठ नागरिक एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने महापौर से सुबह 10 बजे मुलाकात कर विस्तृत चर्चा कर ज्ञापन सौंपा।

मंच के अध्यक्ष डॉ.पी.जी. नाजपांडे ने बताया कि उन्होंने 24 अप्रैल को फायर अधिकारी कुशाग्र ठाकुर गजेन्द्र पटेल से इस संबंध में जब चर्चा की थी तब अधिकारियों ने जानकारी दी थी कि स्टॉफ की भारी कमी के कारण जबलपुर में फॉयर सेफ्टी प्लान तथा फॉयर सेफ्टी सर्टिफिकेट की जांच में सुस्ती आई है।

इस वस्तुस्थिति के कारण विशेष जांच दल गठित होना अत्यंत आवश्यक हो गया है, जिसके रिपोर्ट पर जल्द से जल्द कार्यवाही की जा सके। प्रतिनिधियों ने चर्चा के दौरान महापौर को बताया कि बारदाना गोदाम (बल्देवबाग), प्लास्टिक कुर्सियों का गोदाम (गुजराती कॉलोनी), अगरबत्ती कारखाना (ककरैया तालाब), कोयले का गोदाम (तिलक भूमि तलैया), फर्नीचर गोदाम (रद्दी चौकी), एसिड का गोदाम (मनमोहन नगर), कपड़े की फैक्ट्री (शांति नगर), जूता-चप्पल गोदाम (सिल्वर ओक कम्पाउण्ड) आदि रहवासी क्षेत्रों में स्थापित होने की शिकायतें सामने आई हैं। किंतु अभी तक कोई जांच नहीं हुई है।

चर्चा में डॉ.पी.जी. नाजपांडे, एड. वेदप्रकाश अधौलिया, टी.के. रायघटक, डी.के. सिंह तथा अर्जुन कुमार परीडा आदि शामिल थे।

नरसिंह भगवान की प्राण प्रतिष्ठा समारोह आज

बरेला। नगर के वार्ड क्रमांक 8 में भगवान विष्णु के चतुर्थ अवतार श्री नरसिंह भगवान की स्थापना एवं प्रण प्रतिष्ठा कार्यक्रम आयोजित है जिसमें बुधवार को पंचांग पूजन, देव आवाहन, मूर्तियों का अधिवास एवं प्राण प्रतिष्ठा एवं गुरुवार 30 अप्रैल को रथ यात्रा ,नगर दर्शन स्थापना, हवन पूजन एवं भंडारे का आयोजन किया गया है। जिसमें मुख्य अतिथि विधायक सुशील तिवारी विशिष्ट अतिथि नगर परिषद अध्यक्ष प्रतीक दुबे, उपाध्यक्ष श्रीमती सोनम सोनकर सहित नगर परिषद के पार्षदगणों की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित है। आयोजक महेश चक्रवर्ती,पार्षद श्रीमती रामवती चक्रवर्ती सचिन चक्रवर्ती ने सभी लोगों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

जेठ ने बहू पर चाकू से किया हमला

जबलपुर। पनागर थाना क्षेत्र में गत रात शराब पीने के लिए रुपए नहीं मिलने की बात पर एक जेठ ने अपनी बहू के साथ गालीगलौज कर चाकू से हमला कर दिया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पनागर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पनागर निवासी 30 वर्षीय श्रीमति आकांक्षा केवट के घर गत रात लगभग 9.30 बजे जेठ संजू केवट आया और शराब पीने के लिए 500 रुपए की मांग करने लगा, मना करने पर गालीगलौज कर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी जेठ के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 118(1), 119(1), 351(2), बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

राज्य शिक्षा केंद्र ने जारी किए परीक्षा संबंधी दिशा-निर्देश

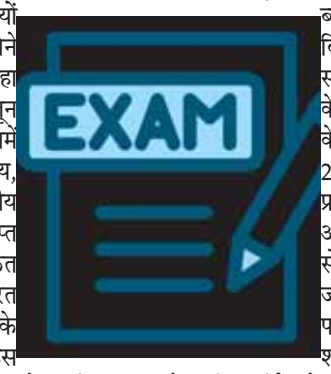

1 जून से होगी 5वीं, 8वीं की पुनः परीक्षा परीक्षार्थियों के लिए टाइम टेबल जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शिक्षण सत्र 2025-26 की मुख्य परीक्षा में अनुत्तीर्ण और अनुपस्थित रहे कक्षा 5वीं एवं 8वीं के विद्यार्थियों पुनः परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया जा रहा है। यह परीक्षा 1 से 6 जून 2026 के बीच होगी। इसमें प्रदेश के समस्त शासकीय, मान्यता प्राप्त अशासकीय एवं अनुदान प्राप्त शालाओं और पंजीकृत मदरसों में अध्ययनरत कक्षा 5वीं व 8वीं के विद्यार्थी शामिल होंगे। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र ने कार्यक्रम जारी करने के साथ ही संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश भी जारी कर दिए हैं। दोबारा परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थी अपना प्रवेश पत्र राज्य शिक्षा केन्द्र के परीक्षा पोर्टल के माध्यम से डाउनलोड कर सकेंगे। सभी बी.आर.सी.सी. को निर्देशित किया गया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनके ब्लॉक के सभी विद्यार्थियों को संबंधित शाला के प्रधान पाठक के माध्यम से 25 मई तक प्रवेश पत्र अनिवार्य रूप से प्राप्त हो जाएं। पुनः परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा आयोजन से पूर्व शाला स्तर पर विषयवार अतिरिक्त शिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।

जन शिक्षा केंद्र स्तर पर होंगे परीक्षा केंद्र

कक्षा 5वीं व 8वीं की पुनः परीक्षा के लिए परीक्षा केन्द्र केवल जनशिक्षा केन्द्र स्तर पर बनाए जाएंगे। अगर किसी जिले में किसी परीक्षा केन्द्र पर 500 से अधिक परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे हों तो उस स्थिति में राज्य शिक्षा केन्द्र से अनुमति उपरांत दूसरा परीक्षा केन्द्र निर्धारित किया जा सकेगा। शाला की मैपिंग संबंधित बीआरसीसी द्वारा 15 मई तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। दोबारा परीक्षा के लिए प्रश्नपत्रों की ऑन स्पॉट प्रिंटिंग निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर ही की जाएगी। परीक्षा पोर्टल से प्रश्नपत्रों को डाउनलोड एवं प्रिंट करने के लिए जिला परियोजना समन्वयक नोडल अधिकारी होंगे। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर शीतल पेयजल की व्यवस्था सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए है।।

जबलपुर संभाग के विद्यार्थियों को मिल रही कॅरियर काउंसलिंग

जबलपुर। जबलपुर संभाग के स्नातक प्रथम वर्ष सत्र 2026-27 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों हेतु स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, जबलपुर संभाग, जबलपुर द्वारा संभाग स्तरीय "निःशुल्क ऑनलाइन, ऑफलाइन विषय चयन एवं कॅरियर काउंसलिंग" की जा रही है। प्रो. अरुण शुक्ल, संभागीय समन्वयक, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, जबलपुर संभाग, जबलपुर द्वारा शासन के निर्देशानुसार "जबलपुर संभाग स्तरीय कॅरियर मार्गदर्शन समिति" का गठन किया गया है। जिसमें जबलपुर संभाग के विभिन्न जिलों के शासकीय महाविद्यालय के 78 प्राध्यापकों, सहा. प्राध्यापकों, मनोवैज्ञानिकों एवं काउंसलरों द्वारा जबलपुर संभाग के महाविद्यालयों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक मोबाईल एवं ईमेल के माध्यम से "निःशुल्क ऑनलाइन, ऑफलाइन विषय चयन एवं कॅरियर काउंसलिंग" प्रदान की जा रही है।

रहवासी क्षेत्रों में गोदामों की जांच होगी

उपभोक्ता मंच को महापौर का आश्वासन

जबलपुर। जबलपुर शहर के 67 प्रतिशत रहवासी क्षेत्रों में ज्वलनशील सामग्री के गोदाम तथा कारखानों की स्थापना होने के बावजूद भी उनका फायर ऑडिट नहीं हो रहा है, इस वस्तुस्थिति को गंभीरता से लेते हुये महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' ने विशेष जांच दल गठित करने के निर्देश जारी किये। उन्होंने इस जांच दल को 7 दिनों के भीतर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश जारी किये।इसके पूर्व में नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच तथा भारतीय वरिष्ठ नागरिक एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने महापौर से सुबह 10 बजे मुलाकात कर विस्तृत चर्चा कर ज्ञापन सौंपा। मंच के अध्यक्ष डॉ.पी.जी. नाजपांडे ने बताया कि उन्होंने 24 अप्रैल को फायर अधिकारी कुशाग्र ठाकुर गजेन्द्र पटेल से इस संबंध में जब चर्चा की थी तब अधिकारियों ने जानकारी दी थी कि स्टॉफ की भारी कमी के कारण जबलपुर में फॉयर सेफ्टी प्लान तथा फॉयर सेफ्टी सर्टिफिकेट की जांच में सुस्ती आई है। इस वस्तुस्थिति के कारण विशेष जांच दल गठित होना अत्यंत आवश्यक हो गया है, जिसके रिपोर्ट पर जल्द से जल्द कार्यवाही की जा सके।प्रतिनिधियों ने चर्चा के दौरान महापौर को बताया कि बारदाना गोदाम (बल्देवबाग), प्लास्टिक कुर्सियों का गोदाम (गुजराती कॉलोनी), अगरबत्ती कारखाना (ककरैया तालाब), कोयले का गोदाम (तिलक भूमि तलैया), फर्नीचर गोदाम (रद्दी चौकी), एसिड का गोदाम (मनमोहन नगर), कपड़े की फैक्ट्री (शांति नगर), जूता-चप्पल गोदाम (सिल्वर ओक कम्पाउण्ड) आदि रहवासी क्षेत्रों में स्थापित होने की शिकायतें सामने आई हैं। किंतु अभी तक कोई जांच नहीं हुई है।चर्चा में डॉ.पी.जी. नाजपांडे, एड. वेदप्रकाश अधौलिया, टी.के. रायघटक, डी.के. सिंह तथा अर्जुन कुमार परीडा आदि शामिल थे।

कलेक्टर ने की 101 आवेदनों में जनसुनवाई

जबलपुर। कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने नागरिकों की समस्याएं सुनी और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिये। साप्ताहिक जनसुनवाई में आज नागरिकों से कुल 101 आवेदन प्राप्त हुये। इनमें दोबारा आये 32 आवेदन भी शामिल थे। जनसुनवाई में आये ज्यादातर आवेदन छात्रवृत्ति, अतिक्रमण, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, रिकार्ड सुधार, अर्जित अवकाश का भुगतान, अवैध कब्जा, संबल योजना अंतर्गत अनुग्रह सहायता, पीएम आवास, लड़ाई-झगड़ा, आर्थिक सहायता, धोखाधड़ी आदि से संबंधित आवेदन थे। जनसुनवाई में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

साप्ताहिक बाजार में आवारा जानवरों की धमा चौकड़ी से जनता परेशान

बरेला। प्रति मंगलवार थाने के सामने लगने वाले साप्ताहिक बाजार में आवारा जानवरों की धमा चौकड़ी निरंतर बढ़ती जा रही है जिसकी वजह से यहां पर बाजार करने आने वाले आम जन के साथ-साथ व्यापारी भी परेशान हैं। बताया जाता है कि बाजार के अंदर आवारा बैल और गाय भी बेधड़क घूमते रहते हैं ।यह आवारा जानवर आम जनता की मेहनत की कमाई से खरीदे हुए सामानों पर और सब्जी भाजी पर मुंह मार देते हैं इसकी वजह से उन्हें नुकसान उठाना पड़ता है। इसी प्रकार यहां पर साप्ताहिक बाजार में दुकान लगाने वाले व्यापारी भी इन आवारा जानवरों की धमा चौकड़ी से परेशान होते रहते हैं। तथा नुकसान उठाने को विवश होते रहते हैं। बाजार करने आए स्थानीय निवासी शंकर चौरसिया का कहना है कि साप्ताहिक बाजार में जानवरों की भरमार रहती है यह जानवर लोगों के समान को नुकसान पहुंचाने के अलावा इंसानों को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं किंतु नगर परिषद द्वारा साप्ताहिक बाजार में इन जानवरों के प्रवेश करने पर कोई पाबंदी नहीं लगा पा रहा है। इन आवारा जानवरों की वजह से प्रति सप्ताह आम जनों को नुकसान उठाना पड़ता है नगर परिषद केवल टैक्स वसूली पर ही ध्यान देती है उन्हें साप्ताहिक बाजार में आम जन और व्यापारियों को होने वाली समस्याओं से कोई सरोकार नहीं रहता है यही कारण है कि दिन प्रतिदिन साप्ताहिक बाजार में आवारा जानवरों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। नगर वासियों ने और व्यापारियों ने साप्ताहिक बाजार में इन आवारा जानवरों को पकड़ कर अन्यत्र जगह भेजने की मांग की है ताकि बाजार में आम आदमी सुकून से खरीदी कर सके साथ ही व्यापारी भी अपने आप को इन जानवरों से सुरक्षित महसूस कर सके।

निधन

श्री जयकरण यादव- 68 शक्तिनगर निवासी मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल के सेवानिवृत्त श्री जयकरण यादव का 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के सुरक्षा अधकारी रामनारायण यादव के पिताजी थे। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुई।

श्री संजय श्रीवास्तव - गौरीघाट स्थित ब्रह्मऋषि कॉलोनी निवासी उत्कर्ष श्रीवास्तव, विहान श्रीवास्तव के पिता श्री संजय श्रीवास्तव का 52 वर्ष की आयु में आकस्मिक निधन हो गया। अंतिम यात्रा बुधवार 29 अप्रैल को प्रातः 10 उनके निवास से गौरीघाट मुक्तिधाम के लिए प्रस्थान करेगी।

श्रीमती गीता गुप्ता- गढ़ाफाटक स्थित केसरवानी कॉलेज के पास निवासी श्री राम शरण गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती गीता गुप्ता (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री ओम प्रकाश गुप्ता- आमनपुर जैन मंदिर के पास मदनमहल निवासी श्री ओम प्रकाश गुप्ता (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती शारदा देवी- बड़ा कुआं के पास बिलहरी निवासी श्री शंभू दयाल की धर्मपत्नी श्रीमती शारदा देवी (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुनील चौधरी- भोला नगर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री अशोक चौधरी के पुत्र श्री सुनील चौधरी (33) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री भोला चौधरी- रविदास नगर पोलीपाथर निवासी श्री भोला चौधरी (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री महेश शिवहरे- गलगला मुमताज बिल्डिंग के पास निवासी श्री महेश शिवहरे (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सोनू चौधरी- संजय गांधी नगर पोलीपाथर निवासी श्री शेखर चौधरी के पुत्र श्री सोनू चौधरी (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अजय बंशकार- प्रेमसागर साहू मोहल्ला निवासी श्री महेश बंशकार के पुत्र श्री अजय बंशकार (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती शिवकुमारी देवी- महाकौशल नगर अधारताल निवासी श्री राम आश्रय की धर्मपत्नी श्रीमती शिवकुमारी देवी (91) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुरेश कुमार सेन- शिवनगर दमोहनाका निवासी श्री सुरेश कुमार सेन (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि
पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
रंगीन 900/-
रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग

540 साल पुराने प्रेम पत्र का एआई ने खोला राज, पैसे या प्यार?

लंदन। दुनिया के सबसे पुराने प्रेम पत्र ने 540 साल बाद अपने पन्नों में दफन वो राज खोल दिया है, जिसे पढ़कर आज भी किसी का दिल भर आए। 15वीं सदी की एक दुल्हन के दिल की तड़प और पैसे बनाम प्यार की जंग को जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने डिकोड किया, तो पता चला कि सदियां बीत जाने के बाद भी इंसान की भावनाएं और मजबूरियां आज भी वैसी ही हैं। फरवरी 1477 में मार्जरी ब्रूज नाम की महिला ने अपने मंगेतर जॉन पास्टन तृतीय को यह खत लिखा था, जिसमें दहेज को लेकर चल रही पारिवारिक खींचतान और उससे उपजे दर्द को बयां किया गया था। इस पत्र को पढ़ना एक्सपर्ट्स के लिए भी अब तक एक बड़ी चुनौती थी, क्योंकि इसकी लिखावट, व्याकरण और पुरानी अंग्रेजी की शब्दावली आधुनिक पाठकों की समझ से परे थी। लेकिन 'माईहेरिटेज' के नए 'सक्रिबे एआई' टूल ने इस मुश्किल काम को चुटकियों में कर दिखाया।

प्यार को बचाने के लिए जद्दोजहद

मार्जरी ने इस खत को भारी दिल के साथ लिखा था, क्योंकि उनकी मां उनके पिता को दहेज की राशि बढ़ाने के लिए राजी नहीं कर पाई थीं। खत में मार्जरी अपने मंगेतर जॉन से कहती हैं कि अगर उनके पास मौजूदा संपत्ति से आधी भी होती, तब भी वे उनका साथ कभी नहीं छोड़तीं। मार्जरी का यह समर्पण दिखाता है कि उस दौर में भी महिलाएं पारिवारिक दबाव और सामाजिक प्रतिष्ठा के बीच अपने प्यार को बचाने के लिए कितनी जद्दोजहद करती थीं। उन्होंने खत के आखिर में जॉन से इसे गुप्त रखने की गुजारिश भी की थी, ताकि दहेज की बात बाहर न निकले। यह प्रेम पत्र पास्टन लेटर्स का हिस्सा है, जो नॉरफॉक के एक परिवार द्वारा तीन पीढ़ियों के दौरान लिखे गए 400 से अधिक पत्रों का एक अद्भुत संग्रह है।

15वीं सदी की दुल्हन का दर्द पढ़ भर आएंगी आंखें!

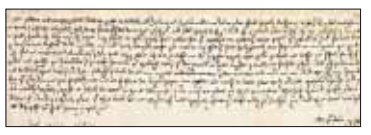

इंसानी जज्बात कभी नहीं बदलते

मार्जरी के एक वंशज पुरातत्वविद हैं। उन्होंने कहा, 'यह पत्र हमें याद दिलाता है कि जिन लोगों का हम इतिहास में अध्ययन करते हैं, वे बिल्कुल हमारे जैसे ही थे। उनके पास भी वैसी ही भावनाएं और वैसी ही चुनौतियां थीं जैसी आज हमारे पास हैं।'

दुनिया का सबसे पुराना लव लेटर

एआई ने न केवल अक्षरों को पहचाना, बल्कि उस समय के ऐतिहासिक संदर्भ, भावनाओं और महत्व का सारांश भी तैयार किया। शोधकर्ताओं ने बताया कि इस पत्र की भाषा आज की अंग्रेजी से इतनी अलग है कि इसे पहली नजर में पढ़ना लगभग नामुमकिन था, लेकिन एआई ने इसे आज की सरल भाषा में अनुवादित कर दिया। हैरानी की बात यह है कि इस प्रेम कहानी का अंत सुखद रहा। तमाम अड़चनों के बावजूद मार्जरी और जॉन की शादी हुई और 1479 में उनका एक बेटा हुआ, जिसका नाम विलियम रखा गया।

रोचक खबरें

अनोखा जीव! जो भोजन निगलने के लिए करता है आंखों का इस्तेमाल

नई दिल्ली। दुनिया में कई अनोखे जीव पाए जाते हैं, लेकिन मेंढक का तरीका सबसे अलग माना जाता है। यह ऐसा जीव है जो अपने भोजन को निगलने में आंखों की भी मदद लेता है। सुनने में यह अजीब जरूर लगता है,

लेकिन इसके पीछे एक दिलचस्प जैविक प्रक्रिया काम करती है, जिसे विज्ञान में एक खास तरह का एडॉप्टेशन माना जाता है। दरअसल, मेंढक अपने शिकार को चबा नहीं सकता। वह कीड़े-मकोड़े या छोटे जीवों को सीधे निगलता है। जब वह किसी बड़े शिकार को पकड़ता है, तो निगलते समय उसकी आंखें अंदर की ओर धंस जाती हैं। यह कोई संयोग नहीं, बल्कि एक खास तकनीक है, जो भोजन को गले तक पहुंचाने में मदद करती है। जब मेंढक अपनी आंखों को नीचे की ओर दबाता है, तो वे मुंह के अंदर की तरफ हल्का दबाव बनाती हैं। यह दबाव शिकार को धीरे-धीरे ग्रासनली (गले) की ओर धकेलने में मदद करता है। यानी उसकी आंखें एक तरह से पुश देने का काम करती हैं। मेंढक के सिर के ऊपरी हिस्से और आंखों के बीच सख्त हड्डी नहीं होती है। वहां लचीले ऊतक मौजूद होते हैं, जिससे आंखें आसानी से अंदर की ओर जा सकती हैं। यही वजह है कि यह प्रक्रिया संभव हो पाती है। मेंढक की जीभ आगे की तरफ जुड़ी होती है, जिससे वह तेजी से बाहर निकलकर शिकार पकड़ लेती है।

यहां सरकार उठा रही है युवाओं के डेटिंग का खर्चा, हर महीने मिलते हैं इतने पैसे

टोक्यो। जापान में घटती जनसंख्या अब एक गंभीर चिंता बन चुकी है। इसी चुनौती से निपटने के लिए सरकार ने एक अनोखी पहल शुरू की है, जिसके तहत युवाओं को डेटिंग ऐप्स इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। मकसद साफ है कि लोग एक-दूसरे से जुड़ें, रिश्ते बनाएं और आगे चलकर शादी व परिवार की ओर कदम बढ़ाएं। इस दिशा में जापान के कोची प्रान्त ने मीटिंग सपोर्ट प्रोजेक्ट ग्रांट नाम की योजना शुरू की है। इसके तहत अविवाहित युवाओं को डेटिंग प्लेटफॉर्म्स से जोड़ने के लिए आर्थिक मदद दी जा रही है। सरकार चाहती है कि युवा डिजिटल माध्यम से एक-दूसरे को समझें और फिर वास्तविक जीवन में रिश्तों को आगे बढ़ाएं।इस योजना के तहत 20 से 39 साल के अविवाहित युवाओं को सालाना 20,000 येन (करीब 11,700 रुपए) तक की सब्सिडी दी जा रही है। यह राशि डेटिंग ऐप्स के रजिस्ट्रेशन और सब्सक्रिप्शन पर खर्च करने के लिए है, ताकि युवा बिना झिझक इन प्लेटफॉर्म्स का उपयोग कर सकें।

डायनासोर युग में समुद्र का राजा था 62 फुट का क्राकेन ऑक्टोपस

वॉशिंगटन। आज के समय से करीब 10 करोड़ साल पहले डायनासोर के जमाने में समुद्रों का सबसे बड़ा शिकारी ऑक्टोपस था। जीवाश्मों से मिले जबड़ों के नए विश्लेषण से पता चलता है कि विशाल क्रैकन जैसे ऑक्टोपस

दूसरे समुद्री शिकारियों के साथ मिलकर शिकार करते थे और पानी में 'राज' करते थे। उनकी आठ बाजू और विशाल शरीर था, जो 62 फीट (18 मीटर) से ज्यादा लंबे होते थे। इस शारीरिक बनावट से यह दूसरे मांसाहारी समुद्री रेंगने वाले जीवों को मुश्किल में डालते थे। एक्सपर्ट का कहना है कि यह ऑक्टोपस उससे ज्यादा बड़ा था, जितना सोचा गया था। पौराणिक कथाओं के राक्षस जैसे इस जीव के बारे में कहा गया है कि क्रेटेशियस काल के दौरान विशाल 'क्रैकन' जैसे सेफलोपोड्स समुद्रों पर राज करते थे। वे विशाल समुद्री सरीसृपों और दूसरे तथाकथित शीर्ष शिकारियों का शिकार करते थे। गुरुवार को अमेरिकन एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ साइंस में प्रकाशित स्टडी में यह बात सामने आई है। होक्काइडो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने लिखा, 'यह विशाल मोलस्क क्रेटेशियस काल के महासागरों में रहने वाले सभी जीवों में सबसे बड़े शरीरों में से एक था।

अफ्रीका महाद्वीप 2 हिस्सों में टूट रहा, सोच से बड़ी हो चुकी है धरती के क्रस्ट की दरार

वॉशिंगटन। अफ्रीका में जमीन के नीचे एक बड़ी भूगर्भीय हलचल हो रही है, जिसके चलते यह विशाल महाद्वीप को दो हिस्सों में टूट रहा है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि पूर्वी अफ्रीका क्षेत्र में धरती की पपड़ी बहुत ज्यादा पतली हो गई है, जो महाद्वीप के टूट की ओर इशारा करती है। इस स्टडी के नतीजे नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित हुए थे।

एक-दूसरे से दूर जा रहीं प्लेटें

तुर्काना रिफ्ट केन्या और इथियोपिया में लगभग 500 किमी तक फैला हुआ है। यह विशाल पूर्वी अफ्रीकी रिफ्ट प्रणाली का हिस्सा है, जो उत्तर पूर्वी इथियोपिया में अफार डिप्रेशन से लेकर मोजाम्बिक तक फैली हुई है। यह अरब और सोमाली प्लेटों को अलग करती है। इस क्षेत्र में अफ्रीकी और सोमाली प्लेटें 4.7 मिलीमीटर प्रतिवर्ष की दर से धीरे-धीरे एक-दूसरे से दूर जा रही हैं।

वैज्ञानिकों की बढ़ी टेंशन

धरती के अंदर बढ़ रही दरार

वैज्ञानिकों के अनुसार, जैसे-जैसे यह अलगाव होता है, जमीन की पपड़ी पर तनाव पड़ता है, जिसके कारण सतह मुड़ जाती है और उसमें दरारें पड़ जाती हैं। हालांकि, सभी दरारें महाद्वीपों को अलग नहीं करती हैं, लेकिन तुर्काना की दरार उसी तरफ बढ़ती दिखाई दे रही है। वैज्ञानिकों ने यहां बहुत ज्यादा पतली क्रस्ट का पता लगाया है।

बनेगा एक नया महासागर

हालांकि, यह बदलाव बहुत लंबे समय में होते हैं। तुरकाना रिफ्ट लगभग 4.5 करोड़ साल पहले खुलना शुरू हुआ था। शोधकर्ताओं का मानना है कि लगभग 40 लाख साल पहले बड़े पैमाने पर ज्वालामुखी विस्फोट के बाद नेकिंग शुरू हुई। इसका अगला चरण ओशनाइजेशन कहा जाता है- यानी महासागर का बनना। इसके शुरू होने में अभी लाखों साल सकते हैं। उस चरण में दरारों से मैग्मा ऊपर उठेगा और समुद्र तल पर नई जमीन बनाएगा। इस दौरान उत्तर में स्थित हिंद महासागर का पानी वहां भर सकता है।

हम पपड़ी के टूटने की उस सीमा तक पहुंच गए

कोलंबिया यूनिवर्सिटी की लैमोंड-डोहर्टी अर्थ ऑब्जर्वेटरी के पीएचडी छात्र और स्टडी के प्रमुख लेखकर क्रिश्चियन रोवन ने बताया कि दरार की प्रक्रिया पहले की तुलना में कहीं अधिक उन्नत है और क्रस्ट पहले से कहीं अधिक पतली है। उन्होंने कहा, पूर्वी अफ्रीका में दरार की प्रक्रिया सोच से कहीं अधिक आगे बढ़ चुकी हैं। स्टडी के नतीजे बताते हैं कि दरार के केंद्र में पपड़ी की मोटाई लगभग 13 किलोमीटर है। वहीं, इससे दूर यह 35 से अधिक हो जाती है। यह नाटकीय अंतर नेकिंग की ओर इशारा करता है। नेकिंग एक महत्वपूर्ण टेक्टोनिक चरण का संकेत है, जो बताता है कि धरती की पपड़ी बीच से कैसे खिंचती और पतली होती है।पपड़ी जैसे-जैसे पतली होती जाती है, उतनी ही कमजोर भी होती जाती है। दरार पड़ने की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। आखिरकार पपड़ी टूट जाती है। हम पपड़ी के टूटने की उस सीमा तक पहुंच गए हैं।

दिल्ली-मुंबई है भारत का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे

6 राज्यों को जोड़ने वाले इस रास्ते की लंबाई है 1350 किलोमीटर

नई दिल्ली। तेजी से बदलते भारत की पहचान अब सिर्फ ऊंची इमारतों या मेट्रो शहरों से नहीं, बल्कि उन सड़कों से भी हो रही है जो दूरियों को मिनटों में समेट देती हैं। देश में हाईवे और एक्सप्रेसवे का जाल लगातार फैल रहा है, लेकिन इन सबके बीच एक ऐसा मेगा प्रोजेक्ट है जिसने लोगों की यात्रा के मायने ही बदल दिए हैं। यह सिर्फ एक सड़क नहीं, बल्कि छह राज्यों को जोड़ने वाला विकास का राजमार्ग है, जो भविष्य के भारत की झलक दिखाता है।

हम बात कर रहे हैं दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे की, जिसे भारत का सबसे लंबा और आधुनिक एक्सप्रेसवे माना जा रहा है। करीब 1350 किलोमीटर लंबा यह मार्ग देश की राजधानी नई दिल्ली को आर्थिक राजधानी मुंबई से सीधे जोड़ता है। इस परियोजना को 'भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण' द्वारा विकसित किया जा रहा है और इसे देश के सबसे महत्वाकांक्षी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में गिना जाता है।

छह राज्यों को जोड़ता है एक साथ

यह हाईटेक एक्सप्रेसवे हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों से होकर गुजरता है। इससे इन क्षेत्रों में न केवल कनेक्टिविटी बेहतर होगी, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा। उद्योग, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर इस मार्ग के साथ तेजी से विकसित होंगे।

क्या है इसकी खासियत?

इस एक्सप्रेसवे की सबसे बड़ी खासियत है इसका समय बचाने वाला सफर। जहां पहले दिल्ली से मुंबई तक पहुंचने में लगभग 24 घंटे लग जाते थे, वहीं अब यही दूरी महज 12 से 13 घंटे में पूरी की जा सकेगी। यानी आधे समय में दोगुनी रफ्तार का अनुभव। यह बदलावष न केवल यात्रियों के लिए राहत लेकर आएगा।

इंफ्रास्ट्रक्चर की नई पहचान

सुविधाओं के मामले में भी यह एक्सप्रेसवे किसी आधुनिक शहर से कम नहीं है। यहां इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन, रेस्ट एरिया, पेट्रोल पंप और इमरजेंसी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह एक्सप्रेसवे सिर्फ दूरी घटाने का माध्यम नहीं, बल्कि भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर को एक नई पहचान देने वाला बदलाव है।

खूबसूरती देख खींचे चले आते हैं जानवर, पत्ते खाते ही हो जाता है खौफनाक हाल

भारत का श्राप कहलाता है ये पौधा!

नई दिल्ली। भारत में कई ऐसे पौधे पाए जाते हैं जो अपनी खूबसूरती से लोगों को आकर्षित करते हैं, लेकिन उनके पीछे छिपा सच काफी खतरनाक होता है। ऐसा ही एक पौधा है लैंटाना, जिसे अक्सर 'भारत का श्राप' कहा जाता है। इस पौधे की सबसे खतरनाक बात इसकी जहरीली प्रकृति है। इसके पत्ते अगर मवेशी या अन्य जानवर खा लें, तो उनके शरीर पर गंभीर असर पड़ सकता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, लैंटाना के सेवन से जानवरों के लिवर पर बुरा प्रभाव पड़ता है और कई मामलों में उनके अंग फेल होने लगते हैं। इसके अलावा, यह त्वचा को सूरज की रोशनी के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बना देता है। जिससे स्किन को भी नुकसान होता है। हालांकि, यह भी सच है कि इस पौधे के कुछ हिस्सों का उपयोग पारंपरिक चिकित्सा में किया जाता है। इसके पूरी तरह पके हुए फल कुछ जगहों पर खाने योग्य माने जाते हैं, लेकिन कच्चे फल जहरीले हो सकते हैं। यही वजह है कि इस पौधे को लेकर लोगों में भ्रम

बना रहता है।

तेजी से फैलता है पौधा

लैंटाना केवल जानवरों के लिए ही नहीं, बल्कि पर्यावरण के लिए भी बड़ा खतरा है। यह पौधा अपने आसपास की जमीन में ऐसे रसायन छोड़ता है, जो अन्य पौधों के उगने में बाधा डालते हैं। इस प्रक्रिया को एलीलोपैथी कहा जाता है। यानी यह अपने आसपास की जमीन को ही जहरीला बना देता है, जिससे स्थानीय वनस्पतियां खत्म होने लगती है। भारत के कई जंगलों में यह पौधा तेजी से फैल चुका है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह देश के लगभग 40 प्रतिशत टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में फैल गया है। इसका घना जाल घास और अन्य पौधों को ढक देता है, जिससे हिरण जैसे शाकाहारी जानवरों को भोजन नहीं मिल पाता. इसके कारण वन्यजीवों को अपना प्राकृतिक आवास छोड़ना पड़ता है। एक और गंभीर खतरा यह है कि लैंटाना जंगल की आग को और भी खतरनाक बना सकता है। इसमें मौजूद तेल जल्दी आग पकड़ लेते हैं और इसे 'लैडर फ्यूल' की तरह काम करने वाला पौधा माना जाता है, जो जमीन की आग को पेड़ों की ऊंचाई तक पहुंचा देता है। इससे जंगल की आग ज्यादा तेजी से फैलती है और नुकसान भी बढ़ जाता है।

यहां कब्रिस्तान में रहते हैं लोग, कब्रों के बगल में लगाते हैं बिस्तर, वहीं बैठकर खाते हैं खाना!

मनीला। दुनिया में रहने के लिए लोग अलग-अलग तरह की जगहों का चुनाव करते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि कोई कब्रिस्तान में भी रह सकता है? यह जगह मनीला नॉर्थ सेमेट्री के नाम से जानी जाती है। यहां करीब 6 हजार से ज्यादा लोग रहते हैं, जिन्होंने कब्रों के बीच ही अपना आशियाना बना लिया है। ये लोग कब्रों के ऊपर या उनके आसपास छोटे-छोटे घर बनाकर रहते हैं। यही नहीं, ये लोग वहीं खाना बनाते हैं, खाते हैं और अपनी रोजमर्रा की जिंदगी बिताते हैं।इस अनोखी बस्ती की सबसे खास बात यह है कि यहां रहने वाले कई लोग अपने प्रियजनों की कब्रों के पास ही घर बनाते हैं। उनका मानना है कि इससे वे अपने परिवार के दिवंगत सदस्यों के करीब रहते हैं। हालांकि, इसके पीछे एक बड़ी वजह आर्थिक मजबूरी भी है। फिलीपींस में बढ़ती आबादी और गरीबी के कारण कई लोगों के पास रहने के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। ऐसे में वे सस्ते या मुफ्त में रहने की जगह ढूंढते हैं, और कब्रिस्तान उन्हें एक विकल्प के रूप में दिखाई देता है। धीरे-धीरे यह जगह एक पूरी बस्ती में बदल गई, जहां बच्चे खेलते हैं, लोग काम पर जाते हैं और सामान्य जीवन जीने की कोशिश करते हैं।

करते हैं चुनौतियों का सामना

हालांकि, यहां रहना आसान नहीं है। साफ-सफाई की कमी, सीमित संसाधन और सुरक्षा की समस्याएं यहां रहने वाले लोगों के लिए बड़ी चुनौती हैं। फिर भी वे अपनी परिस्थितियों के साथ समझौता कर इस जगह को अपना घर बना चुके हैं। सोशल मीडिया पर जब इस कब्रिस्तान की तस्वीरें और वीडियो सामने आते हैं, तो लोग हैरान रह जाते हैं। कई लोग इसे डरावना बताते हैं, तो कुछ इसे मजबूरी की मिसाल मानते हैं।

जिसे आप समझते थे जहर वही निकली लंबी उम्र की दवा

वॉशिंगटन। अगर आप भी उन लोगो में से हैं जो बिना हरी मिर्च या लाल मिर्च के चटकारे लिए खाना खान हीं पाते हैं, तो आपके लिए अच्छी खबर है! अक्सर ज्यादा मिर्च-मसाले को सेहत के लिए खतरनाक बताया जाता है, लेकिन वैज्ञानिकों ने अब इसके पीछे का एक ऐसा हेल्थ सीक्रेट खोजा है जिसे जानकर आप खुश हो जाएंगे। हाल ही में हुए एक रिसर्च में खुलासा हुआ है कि तीखा खाने का शौक न सिर्फ आपकी जुबान को अलग स्वाद देता है, बल्कि आपको लंबी उम्र भी दे सकता है। दुनिया भर में हुई कई रिसर्च इस तरफ इशारा करती हैं कि हर दिन लाल मिर्च का सेवन करने वालों में मृत्यु दर का खतरा कम होता है।

13% तक बढ़ सकती है उम्र

अमेरिका में स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ वर्मोंट के लार्नर कॉलेज ऑफ मेडिसिन ने साल 2017 में एक रिसर्च किया, जिसमें चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। प्लस वन पत्रिका में छपे इस रिसर्च में करीब 16,000 अमेरिकियों के डेटा पर रिसर्च किया गया. जिस पर रिसर्चर्स ने पायाकि जो लोग तीखी लाल मिर्च का सेवन करते थे, उनमें मृत्यु का खतरा उन लोगों की तुलना में 13 प्रतिशत कम था जो तीखा नहीं खाते थे।

अनोखा गांव! यहां सबसे पहले होती है सुबह, लोग दोपहर में ही बना लेते हैं डिनर

नई दिल्ली। भारत के पूर्वी छोर पर बसा एक छोटा-सा गांव अपनी अनोखी पहचान के लिए जाना जाता है। यहां देश में सबसे पहले सूरज की किरणें पहुंचती हैं। हम बात कर रहे हैं डोंग गांव की, जो अरुणाचल प्रदेश में भारत-चीन-म्यांमार के ट्राई जंक्शन के पास स्थित है। अपनी प्राकृतिक खूबसूरती और खास भौगोलिक स्थिति के कारण यह गांव यात्रियों और फोटोग्राफरों के लिए एक आकर्षण का केंद्र बन चुका है। डोंग गांव में सूर्योदय का नजारा बेहद खास होता है। यहां सुबह करीब 2 से 3 बजे के बीच ही सूरज निकल आता है, जो देश के बाकी हिस्सों की तुलना में काफी पहले है। इस जगह को 1999 में प्रमुखता से पहचाना गया, जिसके बाद से ही लोग यहां इस अनोखे अनुभव के लिए पहुंचने लगे।

प्रकृति के इर्द-गिर्द घूमता है जीवन

इस गांव में रहने वाली मिश्मी जनजाति का जीवन पूरी तरह प्रकृति के इर्द-गिर्द घूमता है। उनके त्योहार, परंपराएं और रोजमर्रा की गतिविधियां सूर्योदय और सूर्यास्त के समय के अनुसार तय होती हैं। यह समुदाय प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीने का एक बेहतरीन उदाहरण पेश करता है। डोंग गांव पहुंचने के लिए भारतीय पर्यटकों को इनर लाइन परमिट लेना जरूरी होता है, जबकि विदेशी यात्रियों के लिए प्रोटेक्टेड एरिया परमिट अनिवार्य है।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

सीमा क्षेत्र के करीब होने के कारण यहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम भी हैं। हालांकि, यहां तक पहुंचने का सफर थोड़ा चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन जो लोग एडवेंचर और प्रकृति से प्यार करते हैं, उनके लिए यह अनुभव यादगार साबित होता है।डोंग गांव सिर्फ एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि एक ऐसा अनुभव है जहां आप प्रकृति की लय के साथ जीने का असली मतलब समझ सकते हैं। यहां का सूर्योदय, शांत वातावरण और अनोखी जीवनशैली हर किसी को एक नई सीख देकर जाती है।

अपराह्न 4 बजे तक हो जाता है सूर्यास्त

सूर्योदय देखने के लिए पर्यटकों को घने जंगलों और ऊंची-नीची पहाड़ियों से होकर लगभग 4–5 किलोमीटर की ट्रैकिंग करनी पड़ती है। सीमित सुविधाओं के बावजूद, प्रकृति के करीब रहने का एहसास यहां आने वालों को खास बना देता है। डोंग में सूरज जितनी जल्दी उगता है, उतनी ही जल्दी ढल भी जाता है। यहां दोपहर 3 से 4 बजे के आसपास ही सूर्यास्त हो जाता है। इसी वजह से गांव के लोगों की दिनचर्या भी अलग है। वे सुबह जल्दी अपने काम निपटा लेते हैं और दोपहर होते-होते रात के खाने की तैयारी शुरू कर देते हैं।

वेतन, संसाधन और सामाजिक सुरक्षा से वंचित कर्मचारियों के मुद्दे उठाए, 3 दिन में जांच का आश्वासन

नगर निगम में ठेका कर्मचारियों के शोषण पर बवाल विनय सक्सेना का जनसुनवाई कक्ष में दिया धरना

हरिभूमि, जबलपुर। नगर निगम में ठेका सफाई कर्मियों और आउटसोर्स कर्मचारियों के कथित शोषण का मामला मंगलवार को जोरदार तरीके से गूंजा। पूर्व विधायक विनय सक्सेना अपने समर्थकों के साथ नगर निगम पहुंचे और जनसुनवाई कक्ष में ही धरने पर बैठ गए। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक कर्मचारियों को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

विनय सक्सेना ने नगर निगम आयुक्त के नाम सौंपे ज्ञापन में सात बिंदुओं के माध्यम से गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि ठेका कर्मचारियों को निर्धारित वेतन नहीं दिया जा रहा, साथ ही काम के लिए जरूरी उपकरण जैसे झाड़ू, फावड़ा, जैकेट, मास्क और जूते तक उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि कर्मचारियों को श्रम कानून और कलेक्टर गाइडलाइन के विपरीत मात्र 250 रुपये प्रतिदिन भुगतान किया जा रहा है। इसके अलावा पीएफ और ईएसआईसी जैसी सामाजिक सुरक्षा सुविधाओं से भी उन्हें वंचित रखा गया है।

ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि नगर निगम द्वारा ठेकेदार को 30 दिनों का भुगतान किया जाता है, जबकि कर्मचारियों को केवल 26 दिनों का वेतन ही दिया जाता है। गढ़ा क्षेत्र के एक युवक का उदाहरण देते हुए बताया गया कि वह पिछले डेढ़ साल से मजदूरी भुगतान के लिए भटक रहा है।सक्सेना के अनुसार, निगम प्रशासन ने शिकायतों को प्रथम दृष्टया सही माना है और तीन दिनों के भीतर जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय पर कार्रवाई नहीं हुई तो मामला भोपाल और दिल्ली तक उठाया जाएगा। धरने के दौरान कांग्रेस के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में होगी एचएलए की जांच

सिकिलसेल एवं थैलेसीमिया जागरूकता के लिए किया सीएमई स्वास्थ्य परीक्षण

जबलपुर। विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर थैलेसीमिया जनजागरण समिति मप्र, नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज जबलपुर एवं थैलेसीमिया सिकिलसेल जनजागरण समिति जबलपुर द्वारा नोवो नॉर्डिस्क एजुकेशन फ उंडेशन के सहयोग से सिकिलसेल एवं थैलेसीमिया जैसी गंभीर अनुवांशिक बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान, सीएमई, स्वास्थ्य परीक्षण एवं एचएलए जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 9 मई 2026 शनिवार को प्रातः 10:30 बजे से शाम 4 बजे तक नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के लेक्चर हॉल.2 जबलपुर में आयोजित होगा। इस अवसर पर एक महत्वपूर्ण सीएमई सत्र भी आयोजित किया जाएगा। इस संबंध की जानकारी पत्रकारवार्ता में आयोजकों के द्वारा प्रदान कराई गई।जिसमें बताया गया कि आयोजन में डॉ रूबी खान उपसंचालक हीमोग्लोबिनोपेथी मध्यप्रदेश, डॉ नवीन कोठारी सी एम एच ओ जबलपुर, डॉ नवनीत सक्सेना मेडिकल कॉलेज डीन, डॉ अरविंद शर्मा सुप्रीडेंट मेडिकल कॉलेज, डॉ श्वेता पाठक, डॉ शशांक सागर पाण्डेय, डॉ शरद जैन, डॉ मोनिका लाजरास, डॉ विकेश अग्रवाल, डॉ रानू मिश्रा, डॉ रविन्द्र विश्नोई, डॉ रविन्द्र छाबड़ा आईसीएमआर, डॉ बी के यादव सहित शहर एवं आसपास के लगभग 50 चिकित्सा अधिकारी, विशेषज्ञ डॉक्टर एवं मेडिकल स्टाफ भाग लेंगे। सीएमई सत्र का मुख्य उद्देश्य चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों को सिकिलसेल एवं थैलेसीमिया रोग के आधुनिक उपचार, प्रबंधन एवं परामर्श की नवीनतम जानकारी से अवगत कराना है। कार्यक्रम का आयोजन थैलेसीमिया जनजागरण समिति मप्र, नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज जबलपुर एवं थैलेसीमिया सिकिलसेल जन जागरण समिति जबलपुर के तत्वावधान में किया जा रहा है, जिसमें नोवो नॉर्डिस्क एजुकेशन फाउंडेशन एवं पराग सागर फ उंडेशन का विशेष सहयोग रहेगा। समिति के पदाधिकारियों ने आमजन, मरीजों एवं चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों से इस महत्वपूर्ण अभियान में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर लाभ लेने की अपील की है।

पर्यावरण बचाने निकली संदेश रैली का पुष्प वर्षा से स्वागत

जबलपुर। कदम संस्था के नेतृत्व में स्कूल छात्राओं द्वारा वृक्षारोपण को बढ़ावा देने एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से निकाली गई संदेश रैली का समरसता सेवा संगठन द्वारा मालवीय चौक पर पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया।इस दौरान संगठन के सचिव मनोज सेठ सहित उज्जवल पचौरी, महेंद्र रघुवंशी, सौरभ श्रीवास्तव, देशराज सिंह, सौरभ यादव, मंचन दुबे, दीपक तिवारी, विनीत यादव, नितिन जायसवाल, आशु रजक एवं हर्षित झा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

हनुमान मंदिर स्थापना दिवस पर आयोजित किया सुंदरकांड पाठ व भजन संध्या

जबलपुर। सार्वजनिक हनुमान मंदिर के स्थापना दिवस पर मंदिर के 21 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भव्य धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। महिला भजन मंडल द्वारा भजन संध्या के साथ संगीतमय सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने हनुमान जी महाराज की आराधना कर क्षेत्र में सुख-समृद्धि, भक्ति, सेवा और संस्कारों की निरंतर वृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में पूर्वजों का स्मरण करते हुए पूजन-अर्चन एवं दिव्य आरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर पं. वीरेंद्र दुबे, राजेश शर्मा, अरविंद गुप्ता, राम बाबू गुप्ता, नवीन नेमा, राजीव दुबे, सुनील ताम्रकार, अमर केवट, देवेंद्र पांडे, विकास चौहान, अरविंद तिवारी, नरेंद्र साहू, विंध्येष भापकर, राजेंद्र ब्यौहार, अंकित बहरे, संजय शर्मा, संदीप नेमा, नितिन दुबे, राजू दुबे, बृजेश यादव, आशीष नेमा, अरविंद शर्मा, राकेश ब्यौहार सहित प्रभा शर्मा, प्रीति गुप्ता, कल्पना सुहाने, संगीता ब्यौहार, कीर्ति चौहान, अनिता शर्मा, सुनीता खरे, ममता ब्यौहार, रानू रजक, हर्षिका पटेल, विद्या केशरी, सरला शर्मा, मनीषा शर्मा, क्रांति पटेल, वर्षा झरिया सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

स्व-गणना से सशक्त होगा राष्ट्र, मानकुँवर बाई कॉलेज में जनगणना जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर। शासकीय मोहन लाल हरगोविंद गृह विज्ञान एवं विज्ञान महिला महाविद्यालय में 'स्व-गणना एवं जनगणना जागरूकता' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देश पर आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों को आगामी जनगणना की डिजिटल प्रक्रिया से अवगत कराना था।कार्यक्रम में नगर निगम के अपर आयुक्त मनोज श्रीवास्तव एवं नोडल अधिकारी सागर बोरकर उपस्थित रहे। मनोज श्रीवास्तव ने 'स्व-गणना' को डिजिटल इंडिया के युग में एक महत्वपूर्ण पहल बताते हुए सटीक आंकड़ों के महत्व पर प्रकाश डाला, वहीं सागर बोरकर ने पोर्टल की तकनीकी प्रक्रिया और नागरिक सहभागिता की सरलता की जानकारी दी।कार्यक्रम के दौरान फ्लो चार्ट के माध्यम से स्व-गणना की प्रक्रिया जैसे पंजीकरण, डेटा प्रविष्टि एवं सत्यापन के चरणों की विस्तृत जानकारी दी गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. समीर कुमार शुक्ल के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने छात्राओं को समाज में जागरूकता फैलाने हेतु 'ब्रांड एंबेसडर' की भूमिका निभाने का आह्वान किया। अंत में महाविद्यालय परिवार ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए स्व-गणना अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

पीएम स्वनिधि योजना में मध्य प्रदेश अव्वल, इंदौर-भोपाल-जबलपुर का उत्कृष्ट प्रदर्शन

जबलपुर। केंद्र सरकार की पीएम स्वनिधि योजना के सफल क्रियान्वयन में मध्य प्रदेश ने पूरे देश में प्रथम स्थान हासिल कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। राज्य में लाखों रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को आर्थिक संबल मिला है और नगरीय निकायों ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। प्रदेश में अब तक 9.92 लाख से अधिक पथ विक्रेताओं को योजना का लाभ मिल चुका है। 15.69 लाख ऋण प्रकरणों के माध्यम से 2,632 करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की गई है। वहीं 7 लाख से अधिक विक्रेता डिजिटल लेनदेन से जुड़कर 47 करोड़ रुपये से अधिक का कैशबैक प्राप्त कर चुके हैं। योजना की अवधि 31 मार्च 2030 तक बढ़ाई गई है, जिसमें 15 हजार, 25 हजार और 50 हजार रुपये तक के ऋण तथा 30 हजार रुपये सीमा वाला यूपीआई-लिंक्ड क्रेडिट कार्ड भी प्रदान किया जा रहा है। राष्ट्रीय रैंकिंग में इंदौर नगर निगम ने 33,332 ऋण प्रकरण वितरित कर देश में पहला स्थान प्राप्त किया है, जबकि भोपाल दूसरे और जबलपुर तीसरे स्थान पर रहे। वहीं 1 से 10 लाख आबादी वर्ग में उज्जैन ने देश में पांचवां स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि के पीछे राम प्रकाश अहिरवार की पारदर्शी एवं सकारात्मक कार्यशैली को प्रमुख कारण माना जा रहा है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय पूरी टीम को दिया है।

आदि शंकराचार्य ने की चारों मठों की स्थापना

जयंती पखवाड़ा के अंतर्गत जिला स्तरीय व्याख्यान कार्यक्रम

जबलपुर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की जबलपुर जिला इकाई द्वारा आदि गुरु शंकराचार्य जयंती पखवाड़े के अवसर पर जिला स्तरीय व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मध्यप्रदेश गौ संवर्धन बोर्ड की कार्य परिषद के पूर्व अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जन अभियान परिषद के शासी निकाय के सदस्य सरदार अजित सिंग सीटू ने की परिषद के संभाग समन्वयक रवि बर्मन एवं जिला समन्वयक घनश्याम रायपुरिया भी मौजूद थे। व्याख्यान कार्यक्रम का शुभारंभ आदि गुरु शंकराचार्य जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य वक्ता महामंडलेश्वर अखिलेश्वरानंद गिरी ने अपने उद्बोधन में बताया कि आदि गुरु शंकराचार्य 8वीं सदी के महान दार्शनिक, संत और अद्वैत वेदांत के प्रवर्तक थे। उन्होंने मात्र 32 वर्ष की आयु में पूरे भारत का भ्रमण कर सनातन धर्म को पुनर्जीवित किया। आदि गुरु शकराचार्य ने भारत को सांस्कृतिक रूप से जोडने चारों दिशाओं में चार मठों की स्थापना की। स्वामी अखिलेश्वरानन्द जी गिरी ने बताया कि आदि गुरु शंकराचार्य का जीवन सत्य, ज्ञान और एकता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता के रूप में सरदार अजित सिंग सीटू ने अपने विचार व्यक्त करते कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से समाज में अच्छा संदेश जाता है। ऐसे कार्यक्रम पूरे प्रदेश में पंचायत स्तर तक आयोजित किये जाने चाहिये। परिषद के संभाग समन्वयक रवि बर्मन ने जनअभियान परिषद द्वारा की जा रही गतिविधियों एवं जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत किये जा रहे ।

नगर निगम की जनसुनवाई में बढ़ा नागरिकों का भरोसा, त्वरित निराकरण से मिली राहत

जबलपुर। जबलपुर नगर निगम द्वारा आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में नागरिकों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। मंगलवार को निगम मुख्यालय सहित सभी 16 संभागों में आयोजित जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई कर नागरिकों को मौके पर ही राहत प्रदान की गई। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान ने मुख्यालय में प्राप्त 43 आवेदनों पर आवेदकों से सीधे संवाद कर त्वरित निराकरण कराया। वहीं संभागीय अधिकारियों ने 16 संभागों में प्राप्त 36 प्रकरणों पर भी तत्परता से कार्रवाई की। जनसुनवाई के दौरान सफाई, अवैध निर्माण, भवन अनुज्ञा, राजस्व, जल एवं अन्य विभागों से जुड़े प्रकरण सामने आए, जिन पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल निर्देशित कर कार्रवाई सुनिश्चित की गई। प्राप्त आवेदनों में अतिक्रमण, भवन शाखा, स्वास्थ्य, राजस्व, जल, पेंशन, योजना, आरटीआई एवं जन्म-मृत्यु से जुड़े प्रकरण प्रमुख रहे। जनसुनवाई के पश्चात आवेदकों में संतोष का भाव दिखाई दिया और प्रशासन के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हुआ। इस अवसर पर सहायक आयुक्त वेद प्रकाश, श्रीमती रचयिता अवस्थी, गुलाब इमवाती, सुनील दुबे, देवेंद्र पटेल, सतीश मिश्रा, असद सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खरीफ सीजन के लिए 1 मई से किसानों को मिलेगा शत-प्रतिशत खाद

जबलपुर। जिले के किसानों के लिए राहत भरी खबर है कि आगामी खरीफ सीजन के लिए जिले में खाद का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। कार्यालय उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने जानकारी दी है कि वर्तमान में जिले के पास कुल 36,948 मीट्रिक टन उर्वरक का भंडार मौजूद है, जिसमें यूरिया, डीएपी, एनपीके, एसएसपी और एमओपी जैसी सभी प्रमुख खादें शामिल हैं।चूंकि अभी फसलों की बोनी का मुख्य सीजन शुरू नहीं हुआ है, इसलिए वर्तमान में ई-विकास प्रणाली के माध्यम से किसानों को उनकी पात्रता का 50 प्रतिशत डीएपी और यूरिया उपलब्ध कराया जा रहा है। शासन की योजना के अनुसार, आगामी 1 मई से खरीफ की बोनी के लिए किसानों को ई-विकास प्रणाली के जरिए डीएपी, एसएसपी, एमओपी और एनपीके के सभी ग्रेड 100 प्रतिशत मात्रा में मिलने लगेंगे।यूरिया के वितरण को लेकर विभाग ने विशेष व्यवस्था की है। बोनी के समय किसानों को कुल जरूरत का 50 प्रतिशत यूरिया दिया जाएगा, क्योंकि फसल की शुरुआती अवस्था में इतनी ही आवश्यकता होती है। इसके बाद, फसलों में 'टॉप ड्रेसिंग' यानी ऊपरी छिड़काव के लिए शेष 50 प्रतिशत यूरिया का वितरण 15 जून से शुरू किया जाएगा। इस सुव्यवस्थित वितरण प्रणाली का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर किसान को उसकी जरूरत के समय सही मात्रा में खाद मिल सके और जिले में खाद की कोई किल्लत न हो।

स्वर मल्लिका आशा भोंसले को 'गीतांजलि' 1 मई को

जबलपुर। गायन की दुनिया में विशिष्ट पहचान बनाने वाली स्वर मल्लिका आशा भोंसले को उनके लोकप्रिय गीतों के माध्यम से संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु "गीतांजलि" कार्यक्रम का आयोजन 1 मई 2026 को संध्या 6:30 बजे से शहीद स्मारक प्रेक्षागृह में किया जाएगा। यह आयोजन गुंजन कला सदन एवं संस्कारधानी आर्टिस्ट आर्गनाइजेशन द्वारा, संगीत निर्देशक बबलू मैथ्यूज के निर्देशन में तथा शहीद स्मारक सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश चंद्रेश खरे, एड. एसपी सूर्यकांत शर्मा, समाजसेवी दिनेश यादव एवं संदीप जैन वैष्णव होंगे। इस अवसर पर बबलू मैथ्यूज, गायिका श्रीमती तृप्ति निगम एवं श्रीमती कमलेश नायक का सम्मान भी किया जाएगा।

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2026-26/एम/19
दिनांक:- 28/04/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सायरा खान पति श्री अब्दुल रशीद खान ने मकान नं. 1920/एस.एफ-1 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती द्वितीयतल 700 व.फु., विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2026-26/एम/17
दिनांक:- 28/04/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1)डॉ. संजय चौधरी पिता स्व. श्री दुर्गा प्रसन्न चौधरी (2)श्रीमती डॉली चौधरी पति डॉ. संजय चौधरी ने मकान नं. 943/एफ जी वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती भूतल 750 व.फु., विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2026-26/एम/18
दिनांक:- 28/04/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती भावना गाला पति स्व. श्री मधुसूदन गाला ने मकान नं. 1270,1270/1 वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान खुली भूमि 13350 व.फु., हक त्याग पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2026-26/एम/13
दिनांक:- 28/04/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुनीता गुप्ता पति श्री अनुग्रह नारायण गुप्ता ने मकान नं. 213 का भाग वार्ड पं. भवानी प्रसाद तिवारी क्षेत्रफल 385 व.फु., भूतल 385 व.फु., प्रथमतल 385 व.फु., विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2026-26/एम/14
दिनांक:- 28/04/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री भीम चौधरी पिता श्री राजू चौधरी ने मकान नं. कौशल्या विहार अपा., पिन-1003807549 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती द्वितीयतल 1020 व.फु., विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2026-26/एम/15
दिनांक:- 28/04/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री जितेन्द्र चौहान पिता स्व. श्री नरसिंह चौहान ने मकान नं. 926/21 वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान भूतल 190 व.फु., मृत्यू प्रमाण पत्र/वसीयतनामा/खसरा के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

नाम सुधार सूचना
मैं साकेत कोरी पिता श्री मनोज कुमार, उम्र 19 वर्ष, निवासी-306, वार्ड नं-15, पो. आफिस के पास, ग्राम हृदय नगर, तह. सिहोरा, जिला जबलपुर म.प्र., शपथपूर्वक निम्न घोषणा करता हूँ कि, मेरा पूरा नाम साकेत कोरी पिता मनोज कुमार है जो मेरे जाति प्रमाण पत्र में दर्ज है। मेरे शैक्षणिक दस्तावेज, आधार कार्ड, पैन कार्ड, समग्र आई.डी एवं रेलवे रिकार्ड में मेरा नाम साकेत, साकेत कोरी पिता मनोज कोरी एंव उपरोक्त दस्तावेजो में मेरी माता का नाम लक्ष्मी, लक्ष्मी बाई, लक्ष्मी कोरी एवं लक्ष्मी बाई कोरी त्रुटिवश दर्ज हो गया है। उपरोक्त नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे है उपरोक्त सभी नामो का धारक मैं ही हूँ। अत:समस्त दस्तावेजो में एवं रेलवे रिकार्ड में मेरा नाम साकेत कोरी पिता मनोज कोरी माता लक्ष्मी कोरी दर्ज किया जाए एवं भविष्य में साकेत कोरी पिता मनोज कोरी माता लक्ष्मी कोरी के नाम से पढा, लिखा, माना, समझा एवं पहचाना जावें।
पुराने नाम
साकेत कोरी पिता मनोज कुमार, साकेत कोरी पिता मनोज कोरी, माता लक्ष्मी, लक्ष्मी बाई, लक्ष्मी कोरी, लक्ष्मी बाई कोरी
सही नाम
साकेत कोरी पिता मनोज कोरी, माता लक्ष्मी कोरी

नाम सुधार सूचना
मैं संजना रजक उर्फ अंजन उर्फ अंजना पिता स्व. दस्सू लाल जाति रजक उम्र लगभग 32 वर्ष, निवासी- 378/2, बजरंग कालोनी, जिला जबलपुर म.प्र., शपथ पूर्वक निम्न घोषणा करती हूँ कि, मेरा पूरा नाम संजना रजक पिता स्व. दस्सूलाल रजक है जो मेरे आधार कार्ड, शैक्षणिक दस्तावेजो, समग्र आईडी एवं जाति प्रमाण पत्र इत्यादि में दर्ज है। मेरा घरेलू नाम (निक नेम) अंजन उर्फ अंजना है जो मेरे भाई संजय कुमार रजक के रेलवे रिकार्ड में दर्ज है । उपरोक्त नाम एक ही महिला अर्थात मेरे ही है उपरोक्त सभी नामो का धारक मैं ही हूँ।
अत: भविष्य में मुझे संजना रजक पिता दस्सू लाल रजक के नाम से पढा, लिखा, माना, समझा एवं पहचाना जावें।
पुराने नाम
संजना रजक उर्फ अंजन उर्फ अंजना, पिता स्व. दस्सू, दस्सू लाल रजक
सही नाम
संजना रजक
पिता दस्सू लाल रजक
माता - तारा बाई